कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 20.02.2026

/प्रेस विज्ञप्ति/

कन्या महाविद्यालय में

संकाय उन्नयन कार्यक्रम (द्वितीय दिवस)

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम के द्वितीय दिवस में 'गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (PCPNDT) एक्ट 1994 पर डॉ0 प्रशांत श्रीवास्तव, से0नि0 संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य विभाग ने कहा- कि लैंगिक समानता समाज की अनिवार्य आवश्यकता है। इसके विकास के लिए भारत सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने, गिरते लिंगानुपात में सुधार करने और प्रसव पूर्व लिंग चयन निर्धारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए यह एक्ट लागू किया है। जिसके कारण लिंग का पता लगाना दण्डनीय अपराध है। यह अधिनियम 1994 में पारित हुआ, 2003 में संशोधित किया गया। 2011 में इसे और अधिक सख्त बनाया गया जिसका प्रभाव समाज पर पड़ा। जिसके कारण कन्या भ्रूण हत्या एवं लिंग परीक्षण पर रोक लगी। डॉ0 रश्मि श्रीवास्तव ने अपने विषय 'शिक्षक लैंगिक समानता के लिए परिवर्तन के अग्रदूत' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं। वे केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व सोच और मूल्यों को आकार देते हैं। इसलिए लैंगिक समानता स्थापित करने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक अपने व्यवहार, शिक्षण पद्धति दृष्टिकोण से बच्चों में समानता, न्याय और सम्मान की भावना विकसित करते है। वे लैंगिक भेदभाव की दीवारें तोड़ते हुए एक स्वस्थ समाज का विकास एवं निर्माण करते हैं। डॉ0 मोनिया राकेश, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र ने 'लैंगिक संवेदनशीलता' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में किसी भी व्यक्ति को चाहे पह किसी भी लिंग का हो समान, शिक्षा, रोजगार के अवसर और समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए। हमारा संविधान भी इसे अनुमोदित करता है, लेकिन हमारी रुढियों के कारण यह मूल्य हमारे समाज में स्थापित नहीं हो पा रहें। इसे स्थापित करने के लिए हमें लैंगिक संवेदनशीलता को अपने व्यवहार में लागू करना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चांदनी अफसाना तथा आभार प्रदर्शन डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं छात्राऐं उपस्थित थे।

टीप - छात्रहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

संकाय उन्नयन कार्यक्रम (द्वितीय दिवस)